(b) Yes, Sir. Some quantities of molasses have gone waste.

(c) Around US $ 90 million per annum.

(d) No Sir. After consultations with the State Govts., Government of India has decided not to allow free movement of molasses in the country. Inter state allocations are to be made by the Central Government.

Introduction of technologies in the telecom sector

*187. SHRI DIPEN GHOSH: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have introduced technological improvements in the telecom services in a big way;

(b) if so, whether the said technologies are indigenous and suitable to tropical conditions; and

(c) if the technologies are imported ones, what are the names of the suppliers?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BIR BAHADUR SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) It is a blend of both Indian and foreign technologies. These are suitable for Indian condition.

(c) Suppliers are leading manufacturers of telecommunications equipment from countries like France, Japan, Netherland, U.K., West Gemrany, Italy, Sweden, Denmark, etc.

पोलीयस्टर फिलामेंट यार्न की मांग और उत्पादन

*188. श्री मोर्जा ईर्शाद बेग: क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) इस वर्ष बजट प्रस्तुत कर दिये जाने के पश्चात् पोलीयस्टर फिलामेंट यार्न के भावों में किसी वृद्धि हुई है;

(ख) इस वृद्धि के क्या कारण हैं और सरकार ने इस संबंध में क्या कदम किये हैं; और

(ग) पोलिस्टर फिलामेंट यार्न की प्रति वर्ष अनुमानित उत्पादन क्षमता क्या है देश में इसकी वार्षिक मांग कितनी है, इस यार्न का उत्पादन करने वाले यूनिट कौन कौन से हैं तथा इस मांग को कैसे पूरा किया जाता है?

उद्योग मंत्री (श्री वी० पी० सिंह यादव): (क) और (ख) इस वर्ष का बजट प्रस्तुत किये जाने के बाद पालियस्टर फिलामेंट यार्न के मूल्यों में 7 से 9% तक की वृद्धि हुई है। पालियस्टर फिलामेंट यार्न पर कोई मूल्य नियंत्रण नहीं है और इसलिए इसके मूल्यों में बजट के बाद घट-बढ़ बाजार की शक्तियों, उत्पादन-शुल्क में वृद्धि आदि के कारण हुई है। सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है

(ग) पिछले 2 वर्षों के दौरान पालिस्टर फिलामेंट यार्न का उत्पादन इस प्रकार रहा है :—

('000 टन)

	उत्पादन	
	1987-88	1988-89 अनुमानित
कंपनियों के नाम		
(बड़ोदा रेयॉन, वेस्टर्न इंडिया, गरवारे नाइलोन्स, निरलोन, ओरके, पेट्रोफिल्स, रिलायंस, श्री सिंथेटिक्स)	83.2	106.3